परसादी बोले शराब पीनी है तो सरकारी पिए, गुढ़ा ने कहा सड़कें तो कैटरीना के गालों जैसी बनें

राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद मंत्रियों के बयान चर्चाओं में छाये

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद जहां मंत्रियों के कामकाज को लेकर चर्चा होनी चाहिए थी, वहीं यह चर्चा उनके बयानों को लेकर हो रही है। एक मंत्री जिनके पास आबकारी विभाग का जिम्मा है, वह जहां शराब को जरूरी बताते हैं, वे कहते हैं कि जहरीली शराब पीने से मरने की बजाय शराब ही पीनी है तो सरकारी पिए। वहीं एक मंत्री अब हेमा मालिनी को बूढ़ी बताते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र की सड़कों को कैटरीना कैफ के गालों की जैसी बनाना चाहते हैं। ऐसे में इन दोनों मंत्रियों के बयानों को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है।

सबसे पहले बात की जाए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा की जो कि सरकारी शराब पीने की सलाह देते हुए शराब को जरूरी भी बता रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए आबकारी मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है। राजस्थान को लेकिन बिहार नहीं बनने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में शराब पर पाबंदी नहीं लगाएंगे, बल्कि लोगों को जागरूक करेंगे। पटना में शराबबंदी है, फिर भी जहरीली शराब से कितने लोग मर गए। मरने से अच्छा है कि सरकारी शराब पीएं। आबकारी विभाग संभालने वाले मंत्री परसादी लाल मीणा ने यह बातें कहीं।

बुधवार को सचिवालय में पदभार ग्रहण करते समय प्रदेश में शराबबंदी को

> ■ **शराब बंदी बिहार और गुजरात में भी लागू है, लेकिन फिर भी बिक रही है : आबकारी मंत्री**

लेकर मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बजट में भी मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 300 से 400 करोड़ खर्च कर जन जागरूकता फैलाएंगे कि जहरीली और देसी शराब ना पीएं। यदि पीना है तो सरकारी शराब पीएं, कोई दिक्कत नहीं है। हरियाणा और पंजाब में पहले शराब बंद की गई थी, जिसे दोबारा शुरू करनी पड़ी है। उन्होंने शराब को लोगों के लिए आवश्यक चीज बताते हुए कहा कि निश्चित तौर पर शराब को उपलब्ध कराया जाएगा, लेकिन जहरीली शराब पर पूरी तरह रोक रखी जाएगी। जिसको शराब पीना है सरकारी दुकान से ले वहां उचित दर में मिलेगी। परसादी लाल मीणा नई आबकारी नीति का जिक्र करते हुए कहा कि नई नीति से शराब माफिया ने राजस्थान से विदा ले ली है। पहले जिसके ऑक्शन में लॉटरी निकलती थी, वो दुकान को 20-30 लाख रुपए में सबलेट कर देता था। नई आबकारी नीति से शराब माफिया को दिक्कत हो गई है। जनता को कोई तकलीफ नहीं है। नई नीति से रेवेन्यू भी पहले से ज्यादा मिला है। राज्य सरकार का काम नीति बनाना है। सरकार की हर पॉलिसी जनहित में होगी। ऐसी कोई पॉलिसी नहीं बनाई जाएगी जिससे जनता का अहित होता है।

दूसरी ओर ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा ने विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की खस्ता हालत के बारे में शर्मनाक और विवादित बात कहते हुए पीडब्लूडी के चीफ इंजीनियर से कह दिया कि मेरे गांव में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

राज्यमंत्री गुढ़ा ने इससे पहले कहा था कि सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसी बननी चाहिएं, फिर खुद ही बोले के हेमा मालिनी अब बूढ़ी हो गई हैं, वहां मौजूद लोगों से गुढ़ा ने मौजूदा दौर की अभिनेत्री का नाम पूछा और कहा कि मेरे क्षेत्र में कटरीना कैफ के गालों जैसी सड़कें बननी चाहिएं।

स्काउट-गाइड गांधी दर्शन से नई पीढ़ी को जोड़ें : राज्यपाल

राज्यपाल कलराज मिश्र ने बुधवार को राजभवन में स्काउट गाइड संगठन के नए पदाधिकारियों से मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि स्काउट गाइड संगठन को राष्ट्रिपता महात्मा गांधी के दर्शन और विचारों का प्रसार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन के अंतर्गत आचार व्यवहार की शुद्धता, गरीब बस्तियों में कार्य, स्वच्छता आदि में इस संगठन की अग्रणी भूमिका हो।

राज्यपाल एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संस्था के मुख्य संरक्षक मिश्र बुधवार को यहां राजभवन में संस्था के नए पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्था को राज्य के प्रत्येक विद्यालय में स्काउट-गाइड इकाई स्थापित करने का लक्ष्य लेकर कार्य करना चाहिए ताकि व्यावहारिक रूप में इसका लाभ सभी स्तरों पर मिल सके। साथ ही, जनजातीय क्षेत्र में भी स्काउट-गाइड इकाइयां बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मुलाकात के दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र का मुख्य सचिव एवं स्काउट गाइड संस्था के राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। स्काउट-गाइड के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए प्रदेश में स्काउटिंग को नये स्वरूप में स्थापित करने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पंजीकृत स्काउट गाइड की संख्या 20 लाख तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

प्रभारी मंत्री अब हर महीने कम से कम दो दिन जिलों में जनसुनवाई करेंगे

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर हुई राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। बैठक में निर्णय किया गया कि मंत्री सप्ताह के प्रथम तीन दिन सोमवार, मंगलवार एवं बुधवार को जयपुर मुख्यालय पर ही रहकर जनअभाव अभियोग के निराकरण के साथ ही विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा करेंगे। सभी प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में प्रत्येक माह कम से कम 2 दिन का दौरा करना होगा। इस दौरान वे जनसुनवाई करेंगे और जनप्रतिनिधियों के साथ जिले की समस्याओं, राज्य सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन का फीडबैक लेंगे और जिला प्रशासन के साथ इन पर समीक्षा करेंगे।

मंत्रिपरिषद ने आगामी 17 दिसम्बर को राज्य सरकार के कार्यकाल के तीन

> ■ **राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक में लिये महत्वपूर्ण निर्णय**
>
> ■ **सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर आमजन को मिलेगी शिलान्यास एवं लोकार्पण की सौगात**
>
> ■ **एक जनवरी से प्रारंभ होगा शुद्ध के लिए युद्ध अभियान**

वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों के प्रस्तावित लोकार्पण एवं शिलान्यास पर भी विस्तृत चर्चा की। यह निर्णय किया गया कि सभी मंत्री इस दौरान जिलों में जाएंगे और सफलता के साथ इस कार्य को सम्पादित कराएंगे। इन तीन वर्षों में राज्य सरकार ने महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों, एससी, एसटी, पिछड़े, अल्पसंख्यक सहित तमाम जरूरतमंद वर्गों की विकास में भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक निर्णय किए हैं। आमजन को इन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी होना आवश्यक है।

मंत्रिपरिषद ने निर्णय किया कि प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए आगामी वर्ष की पहली तारीख से शुद्ध के लिए युद्ध अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जमीनी स्तर तक इस अभियान की सफलता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचाया जा सके। इसके लिए सम्बन्धित विभागों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार निवेश के प्रवाह को बढ़ाने एवं प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आगामी 24 एवं 25 जनवरी को इन्वेस्ट राजस्थान सम्मेलन के रूप में एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कोविड के विपरीत प्रभाव से बाहर निकलने तथा आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में इस आयोजन से बड़ी मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने जोर दिया कि कोविड महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सतर्कता तथा कोविड अनुशासन की निरन्तर पालना करना जरूरी है। विगत दिनों में कोरोना संक्रमण के मामलों में कुछ वृद्धि हुई है। विद्यालयों में भी कोविड संक्रमण के मामले आए हैं जिस पर राज्य सरकार चिंतित है और प्रदेश में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने शिक्षण संस्थानों को लेकर कोविड गाइडलाइन की जानकारी दी।

बामनिया ने किया ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण

जयपुर, (का.सं.)। जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने बुधवार को यहां शिक्षा, कौशल, कौशल प्रशिक्षण और ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें सेंटर निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी।

बामनिया सुबह सांगानेर तहसील के गांव सवाईगेटोर में निर्माणाधीन ट्रेनिंग सेंटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान बलराम मीणा ने राज्य मंत्री को बताया कि उक्त सेंटर के निर्माण के लिए 1799.60 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया 1606. 97 वर्ग मीटर आवंटित भूमि पर सेंटर का निर्माण कार्य राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके तहत बेसमेंट सहित आठ मंजिला भवन बनाया जाना प्रस्तावित है। भवन के प्रथम तल पर जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, आयुक्त एवं अतिरिक्त आयुक्त (तृतीय) सहित अन्य कार्यालय बनाए जाएंगे।

चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का बेहतर प्रबन्धन करें : आर्य

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का अधिकाधिक प्रचार और बेहतर प्रबन्धन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इसके अन्तर्गत पंजीकृत परिवारों को सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने योजना के लिए पंजीकृत अस्पतालों की संख्या बढ़ाने और उनके द्वारा पेश किए गए बीमा दावों के समयबद्ध निपटारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं।

अधिकतर मंत्रियों ने आज संभाले पदभार

जयपुर, (का.सं.)। नवनियुक्त मंत्रियों में से अधिकतर ने आज पदभार संभाल लिये हैं।

बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राथमिकता : परसादी लाल

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कार्यभार संभालने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के लिए प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर है।

किसानों को मिले निर्बाध बिजली : भाटी

ऊर्जा मंत्री भंवर सिह भाटी ने आज कार्यभार संभाल लिया है। भाटी ने कहा कि दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम छोर तक रहने वाले व्यक्तियों को अच्छी गुणवत्ता की पर्याप्त बिजली मिले।

निचले स्तर तक योजनाएं पहुंचें : रमेश मीणा

हमारी प्राथमिकता है कि गांव के अंतिम छोर पर झौंपड़ी में रहने वाले हर व्यक्ति के घर तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और सभी पात्र परिवार लाभांवित हों। रमेश चंद मीना ने इस संकल्प के साथ पदभार ग्रहण किया।

सड़क कार्यों में पार्दर्शिता पर फोकस : भजन लाल

राज्य मंत्री से पद्दोन्नत होने के बाद भजनलाल जाटव ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ पूरे किये जाये।

बालिका शिक्षा होगी प्राथमिकता : जाहिदा

जाहिदा खान ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। खान ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वे शुरू से ही बालिका शिक्षा के लिए संवेदनशील रहीं है और इस दिशा में कुछ सार्थक करने का हरसंभव प्रयास करेंगी।

सुरक्षित परिवहन के प्रयास करेंगे : ओला

परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री बृजेंद्र ओला ने कार्यभार ग्रहण किया। ओला ने कहा कि पूरे राज्य में सुरक्षित और सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास किये जायेंगे।

पानी के वेस्टेज रोकने के होंगे प्रयास : महेश जोशी

जलदाय एवं भूजल मंत्री डॉ. महेश जोशी ने कहा है कि प्रदेश में जनता को निर्बाध, नियमित और पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति पर विभाग का पूरा फोकस रहेगा। साथ ही पानी के वेस्टेज को रोकने के लिए आमजन के सहयोग से हर स्तर पर सजगता के साथ पुरजोर प्रयास किए जाएंगे।

डॉ. जोशी आज नए जलदाय एवं भूजल मंत्री के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे।

स्थानीय रोजगार पर होगा फोकस : रावत

उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने पर हमारा फोकस रहेगा।

मार्केटिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएं : मुरारी लाल

कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा ने कृषि उपज मंडियों के आधारभूत ढांचे को मजबूत कर काश्तकारों को बेहतर मार्केटिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने और राजस्व बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। मीणा ने आज पदभार ग्रहण किया।

नए ट्यूरिज्म सर्किट बनाए जाएंगे : विश्वेन्द्र सिंह

पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने पदभार ग्रहण कर कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए ट्ययूरिज्म सर्किटों को भी विकसित किया जाएगा।

हमने किए हैं बेहतरीन कार्य : भूपेश

राज्यमंत्री से कैबीनेट मंत्री के पद पर पदोन्नत महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने पदभार ग्रहण कर लिया।

रोड की चौड़ाई कितनी भी हो, अदालत ने दिए थे अतिक्रमण हटाने के आदेश : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से सांगानेर फ्लाईओवर के बीच करीब सात किलोमीटर की रोड पर अतिक्रमण के मामले में पूर्व में दिए आदेश पर पुनर्विचार करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने कहा कोर्ट ने रोड की चौड़ाई के मुद्दे पर गए बिना अतिक्रमण चिन्हित कर उसे हटाने के आदेश दिए थे। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल, मानसरोवर की रिव्यू याचिका को खारिज करते हुए दिए। रिव्यू याचिका में अदालत के गत जुलाई माह में दिए उस आदेश को संशोधित करने की गुहार की गई थी, जिसमें अदालत ने जेडीए को यहां से एक माह में अतिक्रमण चिन्हित कर तीन माह में अभियान चलाकर उसे हटाने के निर्देश दिए थे। रिव्यू याचिका में कहा गया कि अदालत ने आदेश देने से पहले प्रभावित पक्षों को नहीं सुना। मास्टर प्लान, जोनल प्लान और वास्तविक स्थिति में रोड की चौड़ाई अलग-अलग है। ऐसे में पूर्व में दिए आदेश को संशोधित किया जाए।

वहीं याचिकाकर्ता बाबूलाल शर्मा की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कहा कि जेडीए ने अभी तक आदेश का पालन नहीं किया है और रोड से अतिक्रमणों को नहीं हटाया है। जबकि जेडीए को 6 दिसंबर को अदालत में पालना रिपोर्ट पेश करनी है।

करतारपुरा नाले की कार्य योजना पेश करने का आदेश दिया कोर्ट ने

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और जेडीए से करतारपुरा नाले में अतिक्रमण हटाने और उसे पक्का करने की कार्य योजना पेश करने को कहा है। अदालत ने कहा है कि नाले के विकास के संबंध में चार सप्ताह में पुख्ता योजना बनाकर अदालत में पेश की जाए।

जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबे इस नाले में उचित ड्रेनेज सिस्टम का अभाव है। भूमाफियाओं ने नाले में मलबा डालकर उसे कई जगह से पाट दिया है।

जेडीए ने 2014 में यह मान लिया था कि उनके पास करतारपुरा नाले का रिकॉर्ड नहीं है।

नाले के संरक्षण के लिए हाईकोर्ट ने 24 अप्रैल 2015 को जेडीए व राज्य सरकार को निर्देश दिया था लेकिन उन निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा।

वहीं राज्य सरकार ने कहा कि जमीन निजी खातेदारी की है जिसकी वजह से परेशानी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जनहित में राज्य सरकार और जेडीए को इस संबंध में कार्रवाई करनी चाहिए।

युवा जोश से लबरेज भारतीय जीत के इरादे से उतरेंगे ग्रीनपार्क पर

कोहली, रोहित व राहुल की गैर-मौजूदगी में आज से शुरू होगा पहला टेस्ट, 5 विकेट लेते ही अश्विन तोड़ेंगे भज्जी का रिकॉर्ड

कानपुर 24 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में मिली 3-0 की जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से युवा जोश से लबरेज भारतीय टीम गुरूवार को यहां ग्रीनपार्क स्टेडियम में दो टेस्टों मैचों की श्रृखंला का आगाज करेगी।

विराट कोहली,रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में अजिंक्या रहाणे की कप्तानी में कीवी टीम से लोहा लेने वाली भारतीय टेस्ट टीम में अनुभव के साथ साथ युवा जोश का संगम देखने को मिलेगा। श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा अंतिम 11 में मौका मिलने पर अपने पदार्पण टेस्ट में खुद के चयन को सही साबित करने के लिये पूरा दम खम दिखायेंगे वहीं ग्रीनपार्क की पिच गेंद और बल्ले से श्रेयस अय्यर और जयंत यादव की परीक्षा लेगी। पिछले कुछ समय से फार्म के लिये संघर्ष कर रहे कप्तान रहाणे और उप कप्तान चेतेश्वर पुजारा के पास कीवी टीम के खिलाफ स्कोरबोर्ड को चलाने का खास दायित्व होगा वहीं विकेट के पीछे का जिम्मा संभालने का जिम्मा कोच राहुल द्रविड़ अनुभवी ऋद्धिमान साहा को देते है या टेस्ट में पदार्पण करने वाले श्रीकर भरत को देते हैं, यह टीम के ऐलान पर पता चलेगा।

इशांत शर्मा के नेतृत्व में उमेश यादव, मोहम्मद सिराज अथवा प्रसिद्ध कृष्णा की धारदार गेंदबाजी दर्शकों के लिये कौतूहल का विषय होगी वहीं अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के अलावा तेज तर्राक क्षेत्ररक्षक रवीन्द्र जडेजा, अक्षर पटेल, जयंत यादव अपनी फिरकी से कीवी टीम को परेशान कर सकते हैं।

मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से अंतिम समय में टीम से बाहर हुये लोकेश राहुल के स्थान पर मयंक अग्रवाल और शुभमन गिल की जोड़ी भारतीय टीम के लिये बल्लेबाजी की शुरूआत कर सकती है। मयंक अब तक 14 मैचों में 45.73 की औसत से 1052 रन बना चुके है जिसमें उनके तीन शतकों में दो दोहरे शतक शामिल है। 2019 में उन्होने बांग्लादेश के खिलाफ 243 रनो का पहाड़ खड़ा किया था जबकि इससे पहले उन्होने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 215 रन बनाये थे। हालांकि शुभमन गिल के बल्ले को पहले शतक का इंतजार है मगर अब तक के आठ मैचों के संक्षिप्त करियर में उन्होने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया है।

मात्र चार टेस्ट खेलने के बावजूद दुनिया भर में अपने प्रदर्शन की धाक जमाने वाले राइट आर्म आफ ब्रेक गेंदबाज जयंत यादव के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक खास रिकॉर्ड दर्ज है जब उन्होने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ दिया था। 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में जयंत ने 104 रनों की अहम पारी खेली थी। जयंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक एक वनडे मैच खेला है जिसमें उन्होने चार ओवर में महज आठ रन देकर मार्टिन गुप्टिल को चलता किया था ।

पिच क्यूरेटर शिव कुमार के अनुसार ग्रीनपार्क की पिच शुरूआत के दो दिन सुबह के सत्र में तेज गेंदबाजों को मदद कर सकती है हालांकि समय के साथ साथ पिच का व्यवहार फिरकी गेंदबाजों के पक्ष में ज्यादा दिख सकता है। पिच को टेस्ट मैच के अनुरूप ढाला गया है जिसमें बल्लेबाजों को भी अपना प्रदर्शन निखारने का भरपूर मौका मिलेगा। सोमवार को यहां पहुंचने के बाद कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रहाणे पिच का जायजा लेने मैदान पहुंच गये थे जबकि मंगलवार को इन दोनो के अलावा गेंदबाजों ने पिच का बारीकी से निरीक्षण किया।

भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने मंगलवार को नेट पर पसीना बहाया और आज सुबह के सत्र में भी भारतीय टीम नेट प्रैक्टिस कर रही है जबकि दोपहर में कीवी टीम मैदान पर अभ्यास करने आयेगी। दोनो टीमें गुरूवार को मैच से पहले अपने अंतिम एकादश की घोषणा करेंगी।

प्रदर्शन के लिहाज से ग्रीनपार्क पर भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्दा रहा है। यहां खेले गये कुल 22 टेस्ट मैचों में भारत को सात में जीत मिली है जबकि तीन में उसे हार का स्वाद चखना पड़ा है। शेष 12 मैचों में हार जीत का फैसला नहीं हो सका। जीत की बात की जाये तो भारतीय टीम ने यहां दो-दो बार ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया है जबकि 2009 में टीम को श्रीलंका के खिलाफ पारी और 144 रन से जीत हासिल हुयी थी। ग्रीनपार्क मैदान पर एक पारी में सर्वश्रेष्ठ स्कोर का रिकार्ड भी भारत के पास है।

गौतम गंभीर को 24 घंटे में दूसरी बार मिली धमकी

आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल ने ई-मेल कर परिवार को जान से मारने की बात कही

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद और पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को 24 घंटे में लगातार दूसरी बार जान से मारने की धमकी मिली है। गंभीर ने दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी है। गंभीर ने आरोप लगाया है कि उन्हें कश्मीर से जान से मारने की धमकी मिली है। सेंट्रल श्वेता चौहान ने बताया कि इसकी जांच चल रही है। गंभीर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आईएसआईएस कश्मीर मॉड्यूल की ओर से यह धमकी ई-मेल के जरिए दी। गंभीर को यह ई-मेल मंगलवार रात करीब 9 बजे मिला। इसमें उनके परिवार वालों को भी जान के मारने की बात कही गई है। इसके साथ ही बुधवार शाम को भी उन्हें मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई है।

मिरवाइज अशरफ बने एसीबी के कार्यकारी अध्यक्ष

काबुल, 24 नवंबर। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने मिरवाइज अशरफ को अपना कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। अफगानिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर ने बोर्ड में मची उथल-पुथल के बीच मंगलवार को कार्यभार संभाला।

एसीबी के एक प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह नियुक्ति उसके संविधान के तहत की गई है। बोर्ड चुनाव प्रक्रिया को जल्द पूरा करेगा।

अशरफ ने कार्यभार संभालने के तुरंत बाद जोर देते हुए कहा कि बोर्ड की प्राथमिकता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और अन्य राष्ट्रीय बोर्डों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने की होगी। इसके अलावा उन्होंने घोषणा की कि एसीबी यह सुनिश्चित करेगा कि अफगानिस्तान में महिलाओं को सामान्य रूप से क्रिकेट खेलने को मिले। अशरफ ने बुधवार को बोर्ड के विभिन्न विभागों के प्रबंधकों के साथ बैठक करते हुए कहा, हमारी लड़कियां सामान्य तौर पर क्रिकेट खेलेंगी और हम उन्हें सभी सुविधाएं मुहैया कराने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने आईसीसी के दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि एसीबी विश्व निकाय की आवश्यकताओं को महत्व देता है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि आईसीसी ने हाल ही में एसीबी की स्थिति के बारे में रिपोर्ट करने के लिए एक कार्यदल का गठन किया था। वहीं एसीबी के सीईओ नसीब खान ने कहा कि एसीबी तीन करोड़ अफगान नागरिकों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में दुबई में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ उनकी एक सफल बैठक हुई। उन्होंने कहा कि हमने अन्य क्रिकेट देशों के अधिकारियों से भी मुलाकात की है ताकि उनके साथ द्विपक्षीय संबंध रखने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की जा सके।

उल्लेखनीय है कि अशरफ ने अपने सात साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में अफगानिस्तान के लिए 46 वनडे और 25 टी-20 मैच खेले हैं। वह अब अजीजुल्लाह फाजली की जगह पर एसीबी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेंगे, जिन्होंने अगस्त में अफगानिस्तान सरकार के तख्तापलट के तुरंत बाद यह कार्यभार संभाला था। समझा जाता है कि फाजली और अशरफ अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के विभिन्न गुटों से संबंध रखते हैं।

अहिका और साथियान अगले दौर में, मनिका और शरत हारे

ह्यूस्टन, 24 नवंबर। अमेरिका के ह्यूस्टन में मंगलवार से शुरू हुई आईटीटीएफ विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में भारत की मिलीजुली शुरुआत रही। पहले दिन जहां अहिका मुखर्जी और जी साथियान ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा कर 64वें दौर में प्रवेश किया, वहीं मनिका बत्रा और शरत कमल अपने-अपने मैच हार गए।

अहिका ने मिस्त्र की फराह अब्देल अजीज पर 4-2 (11-7, 14-16, 8-11, 11-6, 11-9, 11-6) से आसान जीत दर्ज की और महिला एकल के 64वें राउंड में अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनका अगला मुकाबला जापान की हिना हयाता से होगा। वहीं पुरुष एकल में जूनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता साथियान ने 128वें राउंड में यूक्रेन के यारोस्लाव जमुदेंको को सीधे सेटों में 4-0 (11-2,11-9,11-4, 11-3) से हराया। प्रभावशाली जीत के बाद अब 64वें राउंड में उनका सामना रूस के व्लादिमीर सेदोरेंको से होगा।

इस बीच 30वें रैंक वाले अनुभवी भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल को बेल्जियम के निचले रैंक के खिलाड़ी सेड्रिक नुयटिंक से 1-4 (11-9, 5-11,6-11, 7-11, 9-11) से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एवं स्टार भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा महिला एकल के शुरुआती दौर के मैच में कड़े संघर्ष के बावजूद ब्राजील की अपनी प्रतिद्वंद्वी ब्रूना ताकाहाशी को हराने में नाकाम रहीं। उन्हें 3-4, (11-5, 15-13, 8-11, 4-11,6-11, 11-4, 7-11) से हार का सामना करना पड़ा। मनिका हालांकि अपनी जोड़ीदार अर्चना कामथ के साथ महिला युगल स्पर्धा में भाग लेंगी, जहां उन्हें पहले दौर में बाई मिली थी।